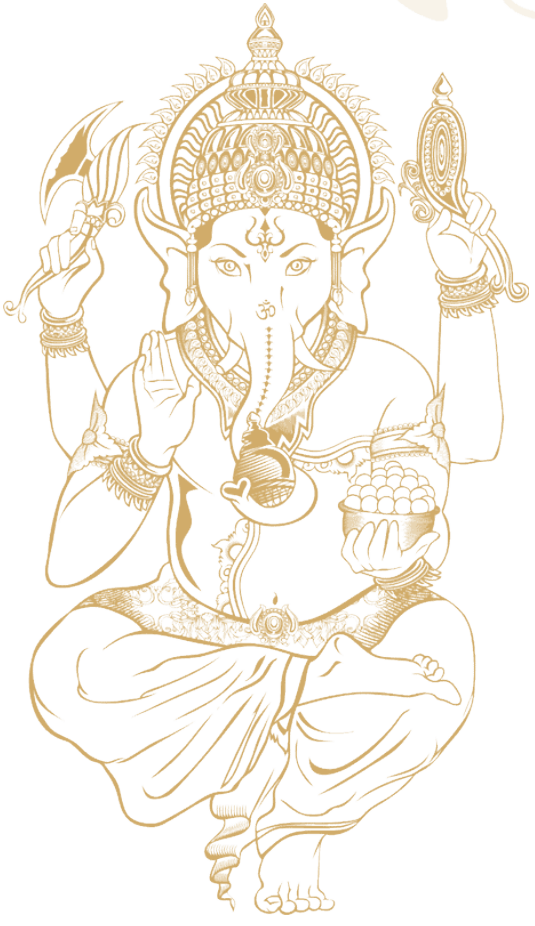

Sh. Tarun

23 Jun 1991

12:45 PM

Aligarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121636806

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23/06/1991**
दिन	रविवार
जन्म समय	**12:45:00 घंटे**
इष्ट	18:25:59 घटी
स्थान	**Aligarh**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:54:00 उत्तर
रेखांश	78:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:27:16 घंटे
वेलान्तर	-00:02:01 घंटे
साम्पातिक काल	06:31:06 घंटे
सूर्योदय	05:22:36 घंटे
सूर्यास्त	19:16:56 घंटे
दिनमान	13:54:20 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	07:36:23 मिथुन
लग्न के अंश	13:09:06 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	सिद्ध
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	तू-तुकाराम
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	13:09:06	319:35:33	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	---
सूर्य			मिथु	07:36:23	00:57:14	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	सम राशि
चंद्र			तुला	25:41:13	12:08:19	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
मंगल			कर्क	22:44:51	00:36:06	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	नीच राशि
बुध		अ	मिथु	15:00:15	02:06:31	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	स्वराशि
गुरु			कर्क	19:08:29	00:11:20	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	उच्च राशि
शुक्र			कर्क	22:37:17	00:52:33	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	शत्रु राशि
शनि	व		मक	12:02:18	00:03:15	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	स्वराशि
राहु	व		धनु	25:17:00	00:02:15	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	नीच राशि
केतु	व		मिथु	25:17:00	00:02:15	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	नीच राशि
हर्ष	व		धनु	18:31:39	00:02:22	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
नेप	व		धनु	22:01:49	00:01:33	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
प्लूटो	व		तुला	24:09:35	00:01:05	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
दशम भाव			मिथु	13:24:10	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:33

लग्न-चलित

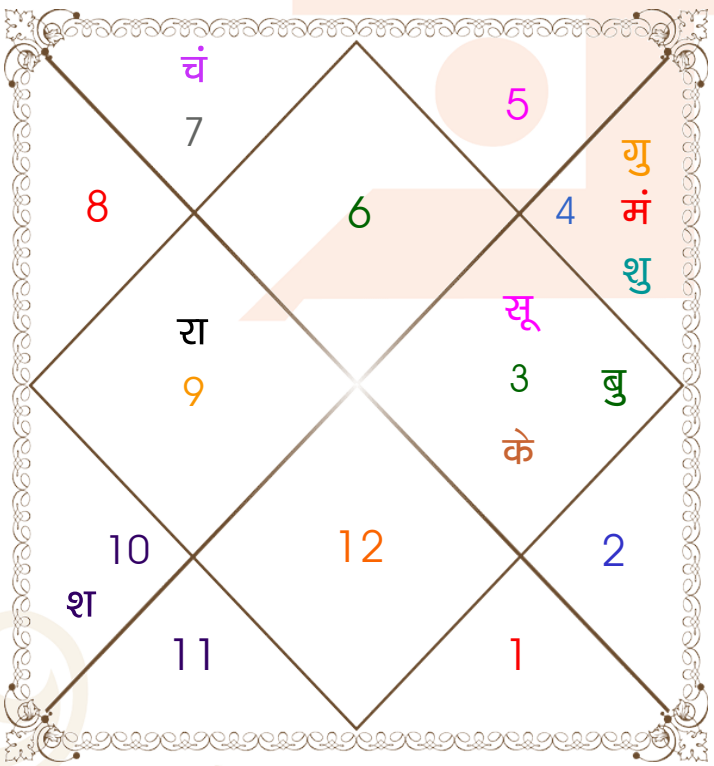

चन्द्र कुंडली

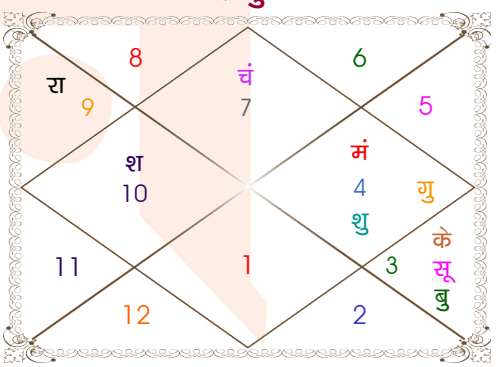

नवमांश कुंडली

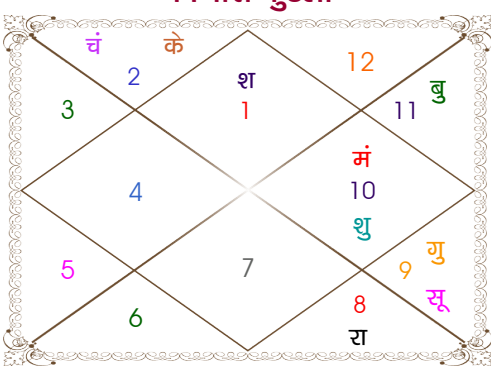

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 9 वर्ष 2 मास 3 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
23/06/1991		25/08/2000		26/08/2019		25/08/2036		26/08/2043	
25/08/2000		26/08/2019		25/08/2036		26/08/2043		26/08/2063	
	00/00/0000	शनि	29/08/2003	बुध	22/01/2022	केतु	22/01/2037	शुक्र	26/12/2046
	23/06/1991	बुध	08/05/2006	केतु	19/01/2023	शुक्र	24/03/2038	सूर्य	26/12/2047
बुध	02/08/1991	केतु	17/06/2007	शुक्र	19/11/2025	सूर्य	30/07/2038	चंद्र	26/08/2049
केतु	08/07/1992	शुक्र	17/08/2010	सूर्य	25/09/2026	चंद्र	28/02/2039	मंगल	26/10/2050
शुक्र	09/03/1995	सूर्य	30/07/2011	चंद्र	25/02/2028	मंगल	27/07/2039	राहु	26/10/2053
सूर्य	26/12/1995	चंद्र	27/02/2013	मंगल	21/02/2029	राहु	13/08/2040	गुरु	26/06/2056
चंद्र	26/04/1997	मंगल	08/04/2014	राहु	10/09/2031	गुरु	20/07/2041	शनि	26/08/2059
मंगल	02/04/1998	राहु	12/02/2017	गुरु	16/12/2033	शनि	29/08/2042	बुध	26/06/2062
राहु	25/08/2000	गुरु	26/08/2019	शनि	25/08/2036	बुध	26/08/2043	केतु	26/08/2063

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
26/08/2063		26/08/2069		26/08/2079		26/08/2086		26/08/2104	
26/08/2069		26/08/2079		26/08/2086		26/08/2104		00/00/0000	
सूर्य	14/12/2063	चंद्र	26/06/2070	मंगल	22/01/2080	राहु	08/05/2089	गुरु	15/10/2106
चंद्र	13/06/2064	मंगल	25/01/2071	राहु	09/02/2081	गुरु	02/10/2091	शनि	27/04/2109
मंगल	19/10/2064	राहु	26/07/2072	गुरु	16/01/2082	शनि	08/08/2094	बुध	24/06/2111
राहु	13/09/2065	गुरु	25/11/2073	शनि	25/02/2083	बुध	24/02/2097		00/00/0000
गुरु	02/07/2066	शनि	26/06/2075	बुध	22/02/2084	केतु	15/03/2098		00/00/0000
शनि	14/06/2067	बुध	25/11/2076	केतु	20/07/2084	शुक्र	15/03/2101		00/00/0000
बुध	20/04/2068	केतु	26/06/2077	शुक्र	19/09/2085	सूर्य	07/02/2102		00/00/0000
केतु	25/08/2068	शुक्र	25/02/2079	सूर्य	25/01/2086	चंद्र	09/08/2103		00/00/0000
शुक्र	26/08/2069	सूर्य	26/08/2079	चंद्र	26/08/2086	मंगल	26/08/2104		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 9 वर्ष 2 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों कर अध्ययन का धर्म मार्ग में प्रवीण हो गए हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगे।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति के हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगे। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगे। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगें। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगे।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगे। परन्तु जब आप एक वार अपनी जीवन संगिनी का चयन कर लेंगे तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगे। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगे। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगे। आपकी पत्नी आपके साथ एक पत्नी की अनिवार्य भूमिका अदा करेगी तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेगी। आप अपनी पत्नी के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगे। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगा। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगी।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन का अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निशचित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहते हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

आप अपनी मद्यपान करने की प्रवृति का त्याग करें। यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहते हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति के ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकते हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करते जाएंगे। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रूग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम

रोग से आक्रान्त तो नहीं होगें। परन्तु आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपका संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।